

बी.एच.डी.सी.-131 / हिंदी साहित्य का इतिहास

स्नातक उपाधि सामान्य (सी.बी.सी.एस.)  
(बी.ए.सामान्य)

सत्रीय कार्य  
(जुलाई-2022 तथा जनवरी, 2023 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.-131  
हिंदी साहित्य का इतिहास



मानविकी विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय  
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

## हिन्दी में आधार पाठ्यक्रम सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.-131 / बी.ए.जी.

प्रिय छात्र/छात्राओ!

‘हिन्दी साहित्य का इतिहास’ पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किये गये हैं। उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1. ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
3. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख कीजिए।
4. उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक : .....

5. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।
6. प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।
7. सत्रीय कार्य पूरा करके जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास निर्धारित तिथि तक अवश्य जमा करा दें।

**सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि**  
**जुलाई 2022 सत्र के लिए : 30 अप्रैल, 2023**  
**जनवरी 2023 सत्र के लिए : 31 अक्टूबर, 2023**

## सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं।

उत्तर देने के लिए आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन** : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।
2. **अभ्यास** : अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार का विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

- क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
- ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,
- ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो।
- घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
- ङ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

1. **प्रस्तुति** : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।
2. **विशेष** : अपने उत्तर की फोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

**नोट** : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी साहित्य का इतिहास  
सत्रीय कार्य  
(खंड 1 से 4 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.सी.-131  
सत्रीय कार्य कोड : बी.एच.डी.सी.-131 / 2022-23  
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। दस अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग आठ सौ शब्दों में तथा पाँच अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग चार सौ शब्दों में दीजिए।

भाग-1 (खंड 1 पर आधारित)

1. हिंदी साहित्य के काल विभाजन की समस्याओं पर विचार कीजिए। 10
2. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए: 5X3=15  
क) प्रसादोत्तर हिंदी रंगमंच  
ख) भक्ति आंदोलन : विविध परिस्थितियाँ  
ग) गुरु महिमा और नाम स्मरण

भाग-2

3. संतकाव्य पर अन्य दर्शनों के प्रभाव को स्पष्ट कीजिए। 10
4. रीति काव्य परंपरा पर प्रकाश डालिए। 10
5. कृष्ण भक्ति साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए। 10
6. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए : 5X2=10  
(क) रीतिमुक्त काव्यधारा  
(ख) प्रसाद युगीन हिंदी नाटक

भाग-3

7. द्विवेदी युगीन हिंदी साहित्य की विशेषताओं पर विचार कीजिए। 10
8. प्रेमचंद युग हिंदी उपन्यास की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10
9. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए : 5X3=15  
(क) राष्ट्रीय काव्यधारा  
(ख) समकालीन कहानी  
(ग) भरतेंदु युगीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ